THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) An amount of Rs. 445.87 crores (excluding interest) is overdue payment by M/S CAN UNA to Indian Railway Finance Corporation (IRFO.

(b) M/S CANFTNA and Canara Bank are vigorously being pursued for realisation of this amount. The matter has also been brought to the notice of Ministry of Finance.

(c) The IRFC is presently not required to raise funds for any particular railway project. However, during the current financial year 1993-94, IRFC proposes to go in for public borrowings to the extent of Rs. 900 crores which would form part of Railway Plan finances.

Construction of a Railway Line between Hissar and Narwana

1254. SHRI S. S. SURIEWALA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government propose to link Hissar with Ambala to construct a Railway line between Hissar and Narwana;

(b) whether Government propose to run a train between Bhiwani, Hissar and Chandigarh via Jakhal, Narwana and Kurukshetra;

(c) whether there is a proposal to construct a Rail link between Patiala and Narwana to provide rail link to the agriculturally rich areas like Khanauri, Pattran and Samaria; and

(d) whether Government propose to link Patiala with Chandigarh by rail, if so, by what time the above proposals are going to be implemented ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K. C. LENKA): (a) No, Sir.

(b) There is no proposal at present.

(c) No, Sir.

(d) Survey for linking Chandigarh with Rajpura has been taken up. Further action would depend on results of the survey and availability of resources.

राजमगढ़-मलक के बीच की छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदला जाना

1255. श्री राम नरेश यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राजमगढ़-मलक के बीच की छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो इस रेल लाइन को बदलने के लिए कितनी धनराशि मंजूर की गई है ; और

(ग) इस लाइन को बदलने का काम कब तक शुरू किया जाएगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) से (ग) जी हां, 23-7-93 को सांकेतिक रखी गई है । वर्ष के दौरान योजना आयोग की सहमति प्राप्त करने के बाद यह कार्य स्वीकृत किया जाएगा तथा इसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा । इसकी अनुमानित लागत 50 करोड़ रुपये होगी ।

Cancellation of Palgaat-Mangalore Link Express-Train

1256. SHRI O. RAJAGOPAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what are the reasons for cancellation of Palghat-Mangalore link express:'

(b) whether it is a fact that with the cancellation of this train, great inconvenience is being caused to daily office goers to Malabar Coast; and

(c) whether Government have received any memorandum from the travelling public requesting for the restoration of the train, if so, what action has been taken thereon ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K. C. LENKA): (a) and (b) 6683/6684 Palghat-Mangalore Link Express has not been cancelled. However, 2625A/2626A New Delhi/ Palghat-Mangalore Mangala Express has been replaced by a full train between Nizamuddin & Mangalore with changed timings and number. Timings of 526 Mangalore-Cannanore Passenger has been revised to serve the commuters.

(c) Yes, Sir. Representations have been received to run an additional train to the erstwhile timings of 2625AMangalore/Palghat-New Delhi Mangala Express. This demand has been examined but not found feasible.

रीवा-बघवार-ब्यौहारी खंड का निर्माण कार्य

1257. श्री अजीत जोगी :

श्री चौधरी हरि सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(ङ) क्या रेलवे बोर्ड ने सतना, रीवा, बचवार, ब्यौहारी रेल लाइन के रीवा, बचवार, ब्यौहारी खंड का निर्माण-कार्य अपने हाथ में न लेने का निर्णय लिया है ; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(च) उक्त रेल लाइन के सतना, रीवा और ब्यौहारी खंड पर अगले दस वर्षों के दौरान माल और यात्री परिवहन के संबंध में कुल कितना आकलन किया गया है ; और

(छ) रेलवे बोर्ड द्वारा उक्त रेल लाइन के रीवा और ब्यौहारी खंड का निर्माण-कार्य कब तक शुरू किए जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० छी० सेंखर) : (क) संसाधनों की तंगी के कारण ऐसे रेल संपर्क के लिए फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(ख) सतना-रीवा-बचवार-ब्यौहारी सर्वेक्षण रिपोर्ट 1990 के अनुसार अगले 10 वर्षों के लिए माल और यात्री यातायात से संबंधित अनुमान नीचे दिए गए हैं:

वर्ष	प्रत्येक दिशा में यात्री गाड़ियों की संख्या	प्रत्येक दिशा में यात्रियों की संख्या	प्रत्येक दिशा में माल गाड़ियों की संख्या	प्रत्येक दिशा में माल डिब्बों की संख्या	कोड गाड़ियां प्रत्येक दिशा में
पहला वर्ष	2.0	798	2.88	216	4.88
छठा वर्ष	2.0	2393	4.18	314	6.18
ग्यारहवां वर्ष	2.0	2870	4.27	320	6.27

44 करोड़ रुपये की लागत पर सतना-रीवा रेल लाइन (50 कि०मी०) को पूरा कर लिया गया है । रीवा-ब्यौहारी नई रेल लाइन (71.67 कि०मी०) के निर्माण पर 75 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है ।

(ग) संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार रेलवे लाइनें उत्तरोत्तर और अधिक क्षेत्रों तक बढ़ायी जा रही हैं जिसके लिए प्राथमिकताएं संभावित यातायात-क्षमता और राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार तय की जाती हैं ।

पश्चिम रेलवे के लिए माल डिब्बे उपलब्ध कराया जाना

1258. **श्री अजीत जोगी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम रेलवे को, सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान इस अवधि के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कितने माल डिब्बे उपलब्ध कराए गए और सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अन्त में पश्चिम रेलवे के पास कितने माल डिब्बे उपलब्ध थे ;

(ख) वर्कशाप में मरम्मत के लिए कितने माल डिब्बे भेजे गए और उनमें से कितने माल डिब्बों की मरम्मत की गई ;

(ग) 30 जून, 1992 की स्थिति के अनुसार कितने माल डिब्बों को काम के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया है; और

(घ) सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान माल डिब्बों की खरीद तथा पश्चिम रेलवे के लिए माल ढुलाई हेतु निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठा रही है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० छी० सेंखर) : (क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पश्चिम रेलवे पर माल डिब्बों (चौपड़ियों में) के बेड़े के लिए दैनिक औसत लक्ष्य और वास्तविक बेड़ा इस प्रकार है :

आकलन	लक्ष्य	बेड़ा (संख्या)
बड़ी लाइन	39200	42017
मीटर लाइन	22500	22570

(ख) और (ग) 30-6-92 को समाप्त तिमाही के लिए चौपड़ियों के संबंध में सूचना इस प्रकार है :

(1)	मरम्मत के लिए भेजे गए माल डिब्बों की संख्या	3919
(2)	मरम्मत किए गए माल डिब्बों की संख्या	3788
(3)	नाकारा घोषित किए गए माल डिब्बों की संख्या	505

(घ) माल डिब्बों के प्रापण की योजना समूची भारतीय रेलवे के लिए बनाई जाती है न कि रेलवेवार पृथक-पृथक रेलों की आवश्यकताएं इस सामान्य पूल से पूरी की जाती हैं । आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 1,20,000 माल डिब्बों के प्रापण की योजना है । ये माल डिब्बे माल यातायात की आवश्यकताओं के अनुसार भिन्न-भिन्न समयों पर विभिन्न रेलों को भेजे जाएंगे ।

Konkan Railway re-alignment

1259. SHRI H. HANUMANTHAPPA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state: